IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

इतिहास का अर्थ, लेखन विधि,प्रकृति, क्षेत्र एवम् महत्व

Mukesh Kumar

(Guest Faculty of History Department, Govt College Shiv,Barmer,Rajasthan)

सार:- इतिहास की प्रकृति इतिहास में घटनाओं का अध्ययन किया जाता है, जो मानव समाज पर प्रभाव डाल चुकी होती हैं. इतिहास में समय और स्थान दोनों का महत्व है. इतिहास का निर्माण साक्ष्यों पर आधारित होता है इतिहास का क्षेत्र इतिहास एक विशाल और विविध क्षेत्र है जो विभिन्न पहलुओं से संबंधित होता है. इतिहास के क्षेत्र ये हैं:

¢राजनीतिक इतिहास

¢सामाजिक इतिहास

¢आर्थिक इतिहास

¢सांस्कृतिक इतिहास

¢वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास

इतिहास का महत्व इतिहास से हमें भूतकाल से सीखने को मिलता है कि अतीत में कौन सी घटनाएँ और निर्णय सही थे और कौन सी गलत. इतिहास से हमें दूसरों के साथ बेहतर तरीके से बातचीत करने, संघर्ष से निपटने और अपने प्रियजनों और परिवारों के लिए बेहतर जीवन बनाने का तरीका सिखाया जाता है।

मुख्य शब्द:- राजनीतिक, आर्थिक, सैन्य कारक,घटित घटना, व्यक्ति, समाज, संस्कृति,क्रियापद्धति, तकनीकी।

प्रस्तावना: - इतिहास के स्वरूप को इतिहास-लेखन की धारायें ही तय करती हैं। समय के साथ-साथ इतिहास-लेखन की धारायें बदलती हैं तो इतिहास का स्वरूप और लक्ष्य भी बदल जाता है । उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध

में इतिहास का एक नया रूप देखने को मिलता है। कुछ विचारकों ने ऐतिहासिक घटनाओं का अंतिम अर्थ ढूँढने की कोशिश की ।इतिहास अतीत में समाज में जीवन का अध्ययन है, इसके सभी पहलुओं में, वर्तमान विकास और भविष्य की आशाओं के संबंध में । यह समय में मनुष्य की कहानी है, साक्ष्य के आधार पर अतीत की जांच है। वास्तव में, साक्ष्य इतिहास शिक्षण और सीखने का कच्चा माल है।

इतिहास (History) का अर्थ है:- भूतकाल में घटित घटनाओं, व्यक्तियों, समाजों, संस्कृतियों, और सभ्यताओं का अध्ययन। यह उन घटनाओं का संग्रह और विश्लेषण है जो मानवता के विकास में महत्वपूर्ण रही हैं। इतिहास न केवल घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता है, बल्कि यह उनके कारणों और परिणामों को भी समझने का प्रयास करता है।

इतिहास लेखन से दो चीजों का बोध होता है-

(1) इतिहास के विकास एवं क्रियापद्धति का अध्ययन

(2) किसी विषय के इतिहास से सम्बन्धित एकत्र सामग्री।

इतिहास लेखन:- इतिहास के कार्यों का एक समूह होता है. इसमें मानव अतीत से जुड़े ग्रंथ शामिल होते हैं. ये ग्रंथ किसी खास समय और जगह पर लिखे जाते हैं. इतिहास लेखन से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण प्रवृत्तियां ये हैं - एनाल्स स्कूल, मार्क्सवादी इतिहास, सामाजिक इतिहास, और सांस्कृतिक इतिहास|इतिहास लेखन में, इतिहासकारों को स्रोतों का हवाला देने की आधुनिक पद्धति का इस्तेमाल करना चाहिए| इतिहास लेखन में, इतिहासकारों को कल्पनाशक्ति का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन तथ्यों कीआधारशिला को नहीं भूलना चाहिए|इतिहासकारों को उस युग के साथ सहानुभूतिपूर्वक विचार करना चाहिए, राजनीतिक, आर्थिक, और सैन्य कारकों का ध्यान रखना चाहिए. अपने पूर्वाग्रहों को पहचानना चाहिए|इतिहास लेखन में, इतिहासकारों को अतीत के बारे में आम धारणाओं पर सवाल उठाने चाहिए एवम् इतिहास के बारे में व्याख्याएं तैयार करनी चाहिए और अपना दृष्टिकोण बनाना चाहिए|

इतिहास लेखन की विधि:-

✓इतिहास लेखन में, सबसे पहले स्रोतों की आलोचनात्मक जांच की जाती है|

✓ उन स्रोतों में से प्रामाणिक सामग्री को चुनकर, उनका विशेष विवरण तैयार किया जाता है|

✓उन विवरणों को एक कथा में संश्लेषित किया जाता है|

✓इतिहास लेखन, इतिहास के विकास और क्रियापद्धति का अध्ययन भी है|

✓इतिहास लेखन, किसी विषय से जुड़ी एकत्रित सामग्री भी है|

✓इतिहास लेखन, निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है.इतिहास लेखन के लिए, तटस्थ रहकर तथ्यों का संकलन किया जाता है|

✓इतिहास लेखन में, कालानुक्रम का पालन किया जाता है|

✓इतिहास लेखन में, लेखकों और कवियों का परिचय उनके नामों के वर्णानुक्रम में किया जाता है|

✓इतिहास लेखन, वैज्ञानिक विधा है|

✓इतिहास लेखन, मानव जाति से जुड़ा होता है|

✓इतिहास लेखन, तर्कसंगत विधा है|

✓इतिहास लेखन, शिक्षाप्रद विधा है|

इतिहास की प्रकृति:-

1. *घटनाओं का अध्ययन*: इतिहास में मुख्य रूप से घटनाओं का अध्ययन किया जाता है, जो मानव समाज पर प्रभाव डाल चुकी होती हैं। ये घटनाएँ युद्ध, शांति संधि, शासन परिवर्तन, आर्थिक विकास, और सांस्कृतिक आंदोलन आदि हो सकती हैं।

2. *समय और स्थान:* इतिहास में समय और स्थान दोनों का महत्व है। प्रत्येक घटना अपने समय और स्थान के संदर्भ में महत्वपूर्ण होती है।

3. *साक्ष्यों का संग्रहण:* इतिहास का निर्माण साक्ष्यों पर आधारित होता है। ये साक्ष्य लिखित दस्तावेज़, स्मारक, मूर्ति, चित्र, कहानी या साक्षात्कार हो सकते हैं।

4. *विवेचनात्मक दृष्टिकोण:* इतिहास केवल तथ्यों का संग्रह नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य उन घटनाओं के कारण और परिणाम को विश्लेषित करना है।

इतिहास का क्षेत्र:- इतिहास एक विशाल और विविध क्षेत्र है जो विभिन्न पहलुओं से संबंधित होता है। इसके कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं:

1. *राजनीतिक इतिहास:* यह शासकों, साम्राज्य, युद्ध, शासन प्रणाली, और राजनीतिक घटनाओं का अध्ययन करता है।

2. *सामाजिक इतिहास:* यह समाज के विभिन्न वर्गों, उनके जीवन शैली, संस्कृति, रीति-रिवाजों और सामाजिक बदलावों का अध्ययन करता है।

3. *आर्थिक इतिहास:* यह आर्थिक गतिविधियों, व्यापार, मुद्रा, उत्पादन प्रणाली, और वैश्विक आर्थिक परिवर्तनों का अध्ययन करता है।

4. *सांस्कृतिक इतिहास:* यह साहित्य, कला, धर्म, भाषा, और मानवता के सांस्कृतिक पहलुओं का अध्ययन करता है।

5. *वैज्ञानिक और तकनीकी इतिहास:* यह विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और आविष्कारों के इतिहास को समझाता है।

इतिहास का महत्व:- इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इतिहास हमें मानव प्रकृति के विभिन्न आयामों एवं पक्षों से अवगत कराता है। इसके अध्ययन से हमें सभ्यता के क्रमिक विकास का ज्ञान होता है। वर्तमान समाज को समझने के लिए आवश्यक है कि इस विकास के उन विभिन्न सोपानों को जान सकें जिनमें से गुजरकर यह समाज वर्तमान स्थिति में आया है। जिस प्रकार चलचित्र में भूतकाल की किसी घटना का सम्पूर्ण चित्र हमारी आँखों के सामने आ जाता है उसी प्रकार इतिहास किसी तत्कालीन समाज के आचार-विचार, धार्मिक जीवन, आर्थिक जीवन, सांस्कृतिक जीवन, राजनैतिक व्यवस्था, शासन पद्धति आदि सभी ज्ञातव्य बातों का एक सुन्दर चित्र हमारी अंतदृष्टि के सामने स्पष्ट रख देता है। इतिहास के अध्ययन द्वारा ही किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ-साथ उसके पतन की परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त होता है।

निष्कर्ष:-

इतिहास का अध्ययन न केवल घटनाओं को समझने में मदद करता है, बल्कि यह हमें समाज, संस्कृति, और मानवीय मूल्य को बेहतर तरीके से समझने का अवसर भी प्रदान करता है। यह हमें भूतकाल के अनुभवों से सीखने और सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। किसी भी समाज या राष्ट्र का विकास इतिहास से प्राप्त ज्ञान के आधार पर ही संभव है।इतिहास का अध्ययन करने का मुख्य उद्देश्य अतीत के बारे में जानकारी प्राप्त करना होता है|

इतिहास में मानव-जीवन की घटनाओं का उल्लेख होता है, हमें आलोचनात्मक सोच कौशल विकसित करने में मदद मिलती है,वर्तमान घटनाओं को समझने में मदद मिलती है,साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालना सिखाया जाता है। इतिहास का अध्ययन करने से हमें नागरिक अधिकार, लैंगिक समानता और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों जैसे मुद्दों पर अंतर्दृष्टि मिलती है,समाजों के विकास को समझने में मदद,अतीत की सफलताओं और असफलताओं से सीखने, वर्तमान घटनाओं पर व्यापक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है।

संदर्भ ग्रंथ:-

(1) भारत: एक इतिहास-जॉन की

(2)भारत का प्रागितिहास और आद्य इतिहास –वी.के. जैन

(3) प्रागैतिहासिक भारत: विश्व की संस्कृतियों में इसका स्थान-पंचानन मित्रा

(4) मध्यकालीन भारतीय इतिहास की पाठ्यपुस्तक- शैलेंद्र नाथ सेन

(5)प्राचीन भारत का इतिहास - डॉ ए.के मित्तल

(6)अद्भुत भारत - ए.एल. बाशम

(7)विश्व इतिहास का सर्वेक्षण - दीनानाथ वर्मा एवं शिव कुमार सिंह

(8)समकालीन विश्व का इतिहास - अर्जुन देव।